₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 65; 14/09/2017

सयली मेमी त केउए कथा

यक सयली त यक केउ थिआ। केउ गा सियालेरी। से सियाल जे बोलु 'मेमी मोउं चिश लगोरी मोउं भारोरु पाणी ना लोतु ना त जरकेनुणु भारोरु पुआणी बी ना लोतु'। अउं त छानोरु पुआणी पींता। त सयली मेमी तेस दे बोलुण लगी 'ठेर, अंउ तेउ दे छान कें पाणी आणती।' यक फेरी से पुअणी आणती। से बुच बत झड़ घेन्तु। दोकी फैरी तिहांणी कती त तेस किंया बाद से तिट्यां अन्तर घेन्ति त तेठी केउ ना भुंता। से तेस टिड़ी खेडु नी कई नाश गिएरा भुन्ता। से तेठीयां बेणु के घेन्ती त तेस जे बोती 'बेणु, बेणु, बाणे बुट कट।' बेणु बोता 'तेस बठ कि आई?' से बोती 'में टिणी खेणु आई त तेस दे बोता अउं तेसी तें टिणी खेणु कें अपु बाणे बुट कटता। तिखेई से गई राजे कें से तेस बोलुण लगी 'राजीया, राजीया, बुणु डंन।' राजा बोता 'तेन कि किंयु?' तेन बोलु 'तेन बेणे बुट न काटु।' तेस बटकी थियु में टिणी खेणु थीं। अउं तें टिणी खेणु कइ बेणु डंनता।

तोउं से राणीयां कें गई 'राणी राणी, राजे रोख।' राणी बोलु 'राजे कि किंयु?' तेन बोलु 'तेन बेणु न डंनु।' 'बेणु कि किंयु?' 'तेन बाणे बुट न काटु।' 'तेस बठ किं थुयु?' 'तेस बठ में टिणी खेणु।' राणी बोती 'तें काई सी राजे रोशती।'

तोउं से किणे कें गई 'किणीया, किणीया, राणी डास।' 'राणी कि किंयु?' तेन बोलु 'तेन राजा ना रोशा।' 'तेन कि किंयु?' 'तेन बेणु न डंनु।' 'बेणु कि किंयु?' 'तेन बाणे बुट न काटु।' 'तेस बठ कि थुयु?' 'तेस बठ में टिणी खेणु।' राणी बोती 'तें काई सी राजे रोशती।'

तोउं से डाने कें गई। तेस दे बोलुण लगी 'डानीया, डानीया, किणे मार।' 'तेन कि किंयु?' 'तेन राजे राणी ना डांसी।' 'राणी कि किंयु?' तेन बोलू 'तेन राजा ना रोशा।' 'तेन कि किंयु?' 'तेन बेणु न डंनू।' 'बेणु कि किंयु?' 'तेन बाणे बुट न काटु।' 'तेस बठ किं थुयु?' 'तेस बठ में टिणी खेणु?' राणी बोती 'तें काई सी राजे रोशती।'

तोउं से आगी के गई तेस जे बोलुण लगी 'आगये, आगये, डाने जा।' आगी बोलु 'तेन कि किंयु?' 'तेन किड़ा ना मारा।' 'तेन कि किंयु?' 'तेन राजे राणी ना डांसी।' 'राणी कि किंयु?' तेन बोलु 'तेन राजा ना रोशा।' 'तेन कि किंयु?' 'तेन बेणु न डंनू।' 'बेणु कि किंयु?' 'तेन बाणे बुट न काटु।' 'तेस बठ कि थुयू?' 'तेस बठ में टिणी खेणु।' राणी बोती 'तें काई सी राजे रोशती।'

तोउं से पोणी कें गई तेस दे बोलुण लगी 'पोणीए, पोणीए, आगी हुशाण।' तेन से कियां पुछु 'तेन कि किंउ?' तेन बोलू 'तेन डना न जा।' आगी बोलू 'तेन कि किंयू' 'तेन किड़ा ना मारा' 'तेन कि किंउ?' 'तेन राजे राणी ना डांसी।' 'राणी कि किंउ?' तेन बोलु 'तेन राजा ना रोशा।' तेन कि किंउ?' 'तेन बेणू न डंनू।' 'बेणू कि किंउ?' 'तेन बाणे बुट न कटु'। 'तेस बठ कि थुयू?' 'तेस बठ में टिणी खेणू?' राणी बोती 'तें काई सी राजे रोशती।'

घेणू लेहर एई पाणी पाथु। पाणी लेहर आई। तेन आग हुशणी। आगी लेहर आई तेन डाना चाणा। डाने लेहर एई तेन किड़ा मारा। किड़े लेहर एई तेन राणी डांसी। राणी लेहर एई तेन राजा रोशा। राजे लेहर एई तेन बेणु डांनू। बेणु लेहर एई तेन बाणे बुट काटु। तेस बठ टिणी खेणु थी। से सीयली मेमी से टातु त पिटी कि दे दोण दी कइ अंपु घए पुजोउ।

लेखिकाः चम्पा त प्रीती शर्मा
ग्रांः कोरेई रेई

बिषय सूची

1.	सयली मेमी त केउए कथा	1
2.	बुठो शोरु कथा	1
3.	पन्जाहे नोट	2
4.	सोपरी	2
5.	ठन्वाच जाच	2
6.	कुई भो अनमोल	3
7.	टुटो मन बाड़ी.	3
7.	सुराले बारे कुछ	4
8.	घीती के तरज	4

बुढी शोरु कथा

यक सहूंकार थिंया। तेसे सात कुए थिंए। से बी सहूकार थिंए। यक बुढी शोरु थिंयू। तेसे घिये यक बुढी थी। यक से थिंया सहूकारे कोइंया कें सोब कुछ थिंए। पर बुढी शोरु केंई सद सात भेंई थिं। बुढी शोरु अपु भेई चेनी दी लाई। सहूकारे कोईया से डांग लाई मारी छड़ी। बुढी शोरु घिया ऐ काइ लागू रोलू। तिखेई बुढी शोरु तेन्हि भेई केंई छोड़ काटी तिखेइं से भेरी नाठ, घिया किंया दुर जगल पुजा। तेस राती भोई गेई। से यक बुट बट गिया। से बुट बठ बिठो थिंया त तेन हेरु उधोरी 7 मेणू एरे तेन्हे पीठी भेरी झोड़े असते बुढी शोरु लगो थी उगं। से सात मेणू तेस बुठ पहाण बिठे। तेखेई बुढी शोरु हतां। से भेइए खेडू झड़ भीं। से खेडू तेन्हे सात मेणू कें मुंहा अगरा झड़ु से मेणू डारे। तेन्हे मेणूआ समान छडू तेठी एपू चीन्ही देते, गीए नाशी। तेन्ही चीन्ही के बोली बुढी शोरु उंग नाठी। तेन उनी हेरु त सात बेग असते। तेन्हे बेग अन्तर समान असतू। से बुठ बठ भीं योहा। तेन से झोड़े खोले। तेतां सुना चांनी भाने बगेरा नते। बुढी शोरु खुश भुआं।

से घीये दी योआ तेस समान घीन कई से यकी दन शेट भोई गिया। सात से सहूकार तेस हेरी कइ जड़े। से राती तेस उगों योए लगे तेन्हे बोके शूणण। बुढी शोरु से कइ फटेउए। तेखेई बुढी शोरु बोलू आपु बुढी जे की 'मेईं आपु भेंई के छोड़ भेरी। तेखेई अउं जंगल गिया ।तेठी मेईं सात चोर डरेउए। तेन्हे के से समान आतु।'

होरु दुसाई तेन्ही सहूकार आपु भेंई बी मेरी। तेखेई तेन्हे छोड़ी भेरी। से बी जंगल गीए। तेन्हे कुछ न हेती। तेन्हे से मेणू समाणी ऐ के डरेउए। से मेणु गिए नाशी। तेखेई तेन्हे सहूकारे बाणी घिए आग दिती। बुढी तेन शोरुए आगी पटहा छोड़ी अन्तर भरा, फी गीया। से जंगल नाठां। तेस दन बी तेस जो तुनु भु सात चोर योए। तेन से पटहा चोर के मुंहा अगरे फटउआ। चोर फी डार कंई तेटीया नाशी गीए। फी तेस तीयोहा बी समान हेतींयू। तेनी तेस समान बेची काई घर बणोउआ। सात सहूकार फि से शुणी गियो। से फि तेस उगोटे योए बुढी शोरु फि आपु बुढीयां जे बोलू कि 'मेईं आपु घरे पटहा जे चोर डरेउए'। सहूकारे तेस बोक शुणी। तेन बी आपु घिए आग दिती। तेखेई तेन्हे बी तेन्हु किंयू। तेन्हे कुछ बी न हेतीयूं। तेन्हे घर बी चड़ा, भेंई बी मेरी। से शेट किंया गरीब भोई गियां। बुढी शोरु गरीब किंया शेट बणा।

चे त बोते 'होरी दी कपट न कना। सदा अमीरी नेई सदा गरीबी नेई।'

लेखकः संजू बर्मा, ग्रांः कोरेई रेई

पन्जाहे नोट

यक मेहणु दफ्तर केआं चेरे रात तकर कम करण केआं थकी कइ गी पुजा। दवार खोलते त तेन हेरु कि तसे पन्ज साले कुवा उंघोरा नेई त अपु बोउ भाइण बिशो असा। अन्तर एन्ते त कोइए पुछू, "बोउआ, अउं तुसी केआं यक सवाल पुछ सकता ना?" बोउए बोलु, "ऑ-ऑ पुछ, कि पुछता?" कोइया। "बोउआ, तुस यक घण्टे अन्तर कत कमाते?" एस जोइ तें कि लेणा-देणा.....तु बेकार सवाल किस करण लगो असा?" बोउए धिक लेहरी कइ इ जवाब दतु। कुवा "अउं बस इहाणि पुछण लगो असा, बोले बे कि तुस यक घण्टे अन्तर कत कमाते?" बोउए लेहरी कइ तसे धे हेरु त बोलु 100 रुपेई" "ठीक" तउं कोइए उन्न कुशी कइ मठे बोलु, "बोउआ तुस मेन्धे 50 रुपेई उधार दी सकते ना?" अतु बोते त तसे बोउ लेहरी गा, "अच्छा, तउं तु फलतु सवाल करण लगो थिआ ना?" ताकि तु मोउं केआं पैसे नी कइ कोइ बेकार खिलौना या उटपटाग चीज खरीद सकियल। चुप-चप अपु कमरे गा त उंघीण दे। सोचणी दे तु कत मतलबी असा। अउं दन रात मेहनत कर कइ पैसा कमाता त तु तस बेकार चीजी जोइ बरबाद करण चहंता।" ईं शुण कइ कोइए टीरी बइ अखू एइ गए त से अपु कमरे जे घेइ गा। तेस मेहणु हउ बि लेहर अओरी थी त सोचुण लगो थिआ कि अखिर कुवा ईं बोलुणे हिम्मत कीं आइ। पर यक आधे घण्टे केआं पता से थोडा शांत भुआ, त सोचुण लगा कि भोइ सकतु कि सच्चे में कोइए कसे जरुरी कम जे पैसे मगो भोल। किस कि आज केआं पहेले तेन कदि ईं पैसे न थिए मगो।

फि से खड़ भोइ कइ अपु कोइए कमरे गा त बोलु, 'तु उंघ गा ना?"' 'ना' जवाब दूतू।
बोउए बोलु, 'अउं सोचुण लगो थिआ कि शायद बेकार अन्तर तोउं जे लेहरिया, दरअसल दन भइ कम करणे बेलिए अउं सुआ थकि गओ थिआ।' "'मोउं माफ कर हआ अपु पन्जहा रुपेई टा।' ईं बोल कइ तेन अपु कोइए हथ अन्तर पन्जहाए नोट छइ छड़ा।

कोइए खुश भोइ कइ पैसे निए त बोलु, 'धन्यवाद बोउआ' तउं से दौड़ दी कइ अपु अलमरी केई गा, तठिया तेन सुआ सिक्के कढे त गिणण लगा।
ईं हेर कइ तेस मेहणु फि लेहर ऐण लगी त बोलु, "तोउं केई पहेलाई पैसे थिए त मोउं केआं किस मगे?"
कोइए बोलु, "किस कि मोउं केई पैसे घठ थिए, पर अब पूरी गए।" "बोउआ अब मोउं केई 100 रुपेई असे, अब कि अउं तुं यक घण्टा खरीद सकता ना? छने-बने तुस इन्हि पैसी घिन घिए त शुइ बियदी गी झठ एइ घिए। अउं तुसी जोइ साते बिश कइ खाजे खाण चाहंता।"
दोस्तो, इस जिन्दगी भाग-दौड़ अन्तर अस अत ब्यसत भोइ घेन्ते कि तन्हि इन्सानी जे टेम न कढ बटते, जे हे जिन्दगी अन्तर खास असे। तउं त असी ध्यान रखण ऐन्ता कि इस भाग-दौड़े जिन्दगी अन्तर बि असी अपु ई -बोउ, लखि सथि, गभुरु त दोस्ती जे टेम कढण। न त यक रोज असी बि एहसास भुन्ता कि असी छोटी-मोटी चीजे पाणे लिए सुआ किछ गुम कइ छऊ

नाउ बबीता

सोपरी

– हिकी त लगी बोते चनेउ
चिकी तेउ काउं चताला नभेगुआ
सढी चलाती माई हो रामा नामा
सढी चताली माई हो
– घीसल त कुठल बोले ठाटी
थांण पार देवी मिन्धल रामा
नामा यक
बधेली बांणा हो
– गदुरे त संतूकरे दुई छेणी
मिलकी पुजारे की बोलुण जोदा
देणा नागेरा शेशा हो रामा नामा
देणा नाणेरा शेशा हो
– धार त बोले फुलोरी बुहेरी तें
जेनी शोकीन रामा नामा पार
कुलाल लोहेरी हो।
– मठुड त बोले मणी सनाणी
भेदा पिंयू त विसरवांणी पुआणी
मुका मतोके रे चेता हो रामा
नामा हो मुका मतोके चेता हो
– अस त बोले दुई संगती
कुईया संग त छुटू गोदणी रामा
नामा टंक शुगोट भाडु हो रामा
नामा टंक 'शुगोटे भाडु हो
– छुछुणू त बोले चांउ भंगेलु भु
रेणु कोरे घेता भेईया रामा
नामा भेणी भेणेजु धामा हो
रामा नामा भेणी भेणेजु धामा
हो
धारे त बोले धारे हथेलु शंक
पेजिया ते जीणु आसतू सुथुरु
पीणु जेहरुआणी पाणी हो रामा
नाम पीणु जेहरुआणी पाणी हो।

लेखिकाः सुगी देवी
ग्रांः कोरेई रेई

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ लंघाए।

जोसण जोइ धिक गप

गोण असा खुब तुस केने
नजर एते धिक तुसी डाबो
असे लाखो हेसाब जोई तारे
तेई सद मुह खोली बिशो असा
चितरीयालू त हाच्छु गोण
मटोण अपु पुलो टाठी रखो
असु तेई चौरो कनार कपले तु
केनी काई केता कपले जां ता
कि असे सुआ तुस गोण जी
असी पता न लान्ता ना लगता
कि तु असा गोण जी तेइ
अस जगरे समझो असे जिखेई
तकर तु पुरा गोण न भुन्ता तु
सोंउ दी सुसुर सांस न नेंता
जिखेई तकर तु न भुंता पुरा
का पुरा गोण

लेखिकाः अनीता कुमारी
स्कूलः पना, कक्षा ऐठमी

ठन्वाच जाच

शोण महेने भुंती ए जाच तियोहा पहेला
नागे कें देहेरा घेते तण्या बाद चनहा चता
तिखेई भानेरे जामण घेंते तेखे ठाठीड़ नागे
कें घेंता तेठयां सनरे आता तेखेई सनरे
लेणया आता तेखे पुरे पयाज धार दी रथ घि
ानी घेंते तिखेई छनेणी पुएणी के पुजते तेणी
पुजा कते तेठयां बाद ठनवा नाग कें दे
नाश्ते तेठी पुज कई सोब मेहणू पुजा कते।
तेठीं लगभग आधी पांगेई केती तेस कियां
बाद सोब जे उनी एंते। तेणी शोखनी पधर
पुजते त तेणी भनारा बी भुंता तेणी चेले
पुजा कते त नाचते त होरी कना गेभुरु
रोटी खिंते तेठां नाचणार नाचते तेठां जलेणू
सोपीरी लेती। तेठया नाचते–2 घीए दी एंते
त धर्मोलू ना कियां ठाठीड़ ताठयां जागणी
दोण देते जे अगरीयां त पुरे ग्रां राकसोण
इती तेटीयां अगर ठठाड़ी एगरीयां त देवते
राख्या भुंती ग्रां तेठीयां सोब पुजयारे देहेरे
सनरे पुजाते
नउ शम्भू पान्त
ग्रां कोरेई रेई

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़,
तः पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश।
पिन. 176323

कुई भो अनमोल

एचेल कुआ केईंआ बि अगर असी कुई। कुई त जसुण तकर बि पुजणे हिम्मत रखती। पर भुन्ता ई कि यक कुई बदनाम भोई घियाल त सम्हाई कुई बदनाम भुन्ति। गी बाड़े बि अपु कुई पुठ भरोसा ना कते। पांगी घाटी अन्तर 100% मेहणु केआं सिर्फ 10% ईं से मेहणु असे, जे अपु कुई पुठ यकीन कर कइ भरोसा कते। होर बचो 90% मेहणु अपु जम्मो कुई पुठ यकीन करणे बदले, दुनिये बोक शुण कइ तेस पुठ शक कते। से सोचते कि ए नश घेन्ति। पर अगर भगवाने कुई बणो असी त जरुर कुछ अब्बल कम करण जे।

पढ़ुण जे कुआ खरी खरी जगह छते, पर कुई जे बोते कि 'तुस बाहर ना पढ़े'। तेन्के मन, नश घेन्ति। पर कुई पता असा कि तस की करण चहिए। से अपु जीवने फैसला अपफ नी सकती। अगर केस कुई नशणे असु त से जरुर नशती। से कतु समझाई कइ बि कोई फायदा नेई। अगर केस कुई चेरे तकर ब्याह न भो त मेहणु बोते, "पता नेई, पेहले एनी की की गुण खिलो थी, तोउं त अप्पल तकर एसे ब्याह भुण नेई लगो।" अगर यक

कुई नश घेन्ति त बोते, "ई बोउए डर नेओथ, तोउं त नश गई।" जे कुई सोबी जुए बोक विचार करणे बाड़ी भुन्ति, नडर कइ मेहणु जवाब देणे बाड़ी त सोबी जुए उई मी कइ बिशणे बाड़ी त सोबी जे अपु भाई समझ कइ बोक विचार कती, मेहणु से ई बोल कइ बदनाम कते कि, "पता नेई, केन केन कोये जुए एन बोक कती रेहन्ती।" मेहणु कुई हमेशा शक कर कइ हेरते, वेशक से अपु भाई जुए ईं बोक किस न कती भोल। पर जे कुई चुपचाप बिश्ति, त लाजेई कइ कुछ ना बोती, तेस जे मेहणु बोते, "कुई अतु शरीफ असी कि केस जुए बि बोक धोक न कती"।

कुआ पता जपल ब्याह कता त से अपु ईया बोउ बखेर छता, तेन्के ख्याल बि ना रखता। तोउं बि कुई के ईं तेन्हि पुठ दाह एन्ति, चाहे से अपु सौराढ़ी बि किस ना भोल। कुई केईं ज्यादा दया दाह भुन्ति। मेहणु बोते कि कुई अनमोल भो। पर ए सिर्फ बोके बेलि न बल्कि कम कर कइ बि हरालण लौती। त अउं तुस सोबी जे निवेदन कती कि कुई बि जिन्देगी अन्तर अगर घेण जे हिम्मत देण दिए, ना कि मेहणु के बोक शुण कइ तेन्हि दवाई रखे।

लेखिका: गीतीका शर्मा, 10+1, GSS School, किलाड़.

टुटो मन बाड़ी के हक

दाह् कर ए परमेश्वरा, मोउं पुठ दाह् कर।
अपु परेमे हेसाब जुए मोउं पुठ दाह् कर।
अपु कृपादृष्टि बेलि मोउं पुठ दाह् कर।
में सम्हाईं पाप मोउं केईया दूर कर।
में कमिपेशी त कमजोरी सम्हाईं
अपु नजर केईया हटाण दिए।
किस कि में पाप हमेशा में सामणि असी।
मोउं पता असी कि मेईं की की किओ असु।
मेईं त बस तुं खिलाफ पाप किओ असु।
जे गलत असु, सेईये किओ असु।

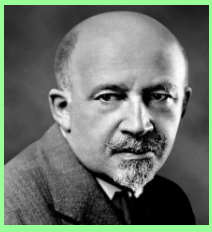

ए ईश्वरा, मोउं साफ कर। तोउं अउं शुचा बणता।
मोउं धोई छड़, तोउं अउं डंग केआं बि हच्छु बणता।
छने अपु टीर बंद कर कि में पाप नियोक घियाल।
अपु टीर उघाड़िण न दिए कि में पाप दूर बेहि घियाल।
ए भगवाना, में अन्तर यक नोवा दिल बणा।
ए परमेश्वरा, में अन्तर यक नोई आत्मा छड़।
अपु नजर केईया मोउं दूर न कर।
अपु परमात्मा मोउं केआं ना ने।
बल्कि मोउं जीणे सुख दुबारी दिए,
त तुं नियांग मानणे बाड़ी मन दिए।
तोउं अउं जीन्ता रेहन्ता,
त तुं इज्जत कता।

<u>जे कोउं इंके उतर दियालए तेसे नउ होर मेहन पत्रिकाई बठ एंतु।</u>

– यक में मामे धुण थिउ, से लाल खांतु टुठु हगतु।

– पार भई भद्राई असे।

विनोद कुमार, मो. न. 9459828290

सुराले बारे कुछ

मैं नौउ सुशीला असु। अउं सुराले भींती। में ग्रां नाउ ताई असु। ए सीती अब्बल असु। हेंई सुराल पुरे पांगेई अन्तर सोबी किंया अब्बल असु। ए पुरु पांगेई अन्तर सोबी किंया पधरु असु। हें ई सुराल किस्मी किस्मी फियुण भुंते। सोब मेहणु हें सुराल एण जे लेचीते। हें सुराले 4,5 घीते बी असे जे कि पुरे पांगेई अन्तर मेशुर असे सुराले 2,3 गोठ बोणे भारी मेशुर असे। हेंई सुराल बडु पुराणु यक तथ बी असु। तेस तथे पुआणी बोणु ठण्णु असु। त तेठी हर साल सुआ मेहणु तेस तथ हेरण जे घेंते त तेठी केती मह.न यक जाठ बी भुंती। हेंई सुराल भटोरी यक गुंफ बी असु। तेठी सुआ मेहणु हर साल हेरण जे एंते त तेस किंया खण्या या छुओ बी असा। तेस हेरण जे बी सुआ मेहणु एंते। सुराल भाद्रो महेन नेघोई बी भुंती। तेस हेरण जे सुआ दुर किंया मेहणु एंते इठ तकर की गनारी मेहणु बी सुराले नेघोई हेरण जे एंते। अब त हेंई सुराल नेघोई बच राती ड्रामा बी कते। त हेंई सुराले मेहणु बहेरी किंया घीते लांणे बाणी बाडी बी भीयांते जे हें पुरे पंगेई मेशुर घीते लंणे बाणे असे जीं जीवन सिंह, त सुरालेरी देस राज जे सुआ अब्बल घीते लांते, तेन्ही भींयांते। हेंई सुराल बेट बोल खेलणे यक दंग बी असा जेठी पराण तेडया पराण किंया खणी बेट बोले मेच बी भुंते हेंई सुरु सुराल हेरणे चील भो

लेखिकाः सुशीला कुमारी
ग्रांः ताई सुराल

घीती के तरज

आज कल हें पगेई ई ई घीते बडा लओ असे जे कि हें देदु बाबदेदु टेमी थी से कतु अब्बल थीए तेकें गाला कत अब्बल थिया। आज कल तेन्हीघीती के स्तया नाश काई छाओ असा। सोब तेन्ही घीती लांणे बाणी जे गऐ देते जेठी बी गा सोबी मेहणु तेन्ही जे गिये देंत। पर अउं तुं बुरेई नेई करण लगो बा, किस कि तुस त तेन्ही घीती अब्बल बणणे कोशिश कते। सोबी घीते नेई बे, कुस्तुरे कुछ यक घीते असे कुस्तुरे पर तेंके नाउ ना नेण चहंता। पर अगर कोई बी मेहणु एस बोक में तेन्ही घीते लाणे बाणी जे बोलीयेल त से होर फेरी पांगेई मेहणु किं सहयोग नि काई घीते ले किस कि तेस खाणे कि फेदा जे फुकी काई जन बाणो भुंता से त तोउं मजबूरी अन्तर खाण एंतु।.............

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहृणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढूं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहृणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छ्पाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छ्पाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहृणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छ्पां असी या नेई छ्पां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहृणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छ्पां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

तुबारि टीमे कनारा सोबी पांगेई मेहणु नाउरात्री त दशहेरी के बधेई।

. इस मेहने 16 तारीक अलुए धनीस असु त 21 नाउरात्रे असे। सोभी पांगेई महेणु बधेई देते त मन्हल मिनलयाट त पुटो शेर जाठ असी त दिणी संज बी इसे मेहन असी।

- एचेली जेणे जे हें पांगेई गभुर असे तेन्हि दस्ते त उतारणे विमारी ज्यादा असी। तेन्हि तुस उबली कइ पुओणी त लुणे त खंनी पुओणी पियां या त चउए या दाणी पुआणी पियां।
- सेक भुओ भोल त ठने पाणी टेलूड़ तेसे मगिर बठ छांण।
- गभुर के साफ सफेई खास कइ ख्याल रखे। तेन्के नश टेम टेम बठ काटते रेहे।
- दुआ बन करे त बिमारी बन भुंती।
- यक दुई लफ तुस बी दिए, पांगेई साफ त सुथुर बणा जे।
- बहेर हगयेल त तेस बठ मेछी बिश्ती दे तिहांणी से तुं खांजे बठ बिश्ती दे तुस बिमार भुण लगते।
- दुआ बन करेल त तूं सोब टब्बरा खुश त साफ सुथरा रेहंता।